अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल

तेरापंथ दर्शन (वर्ष : 2018) **दिनांक : 18-12-2018**

समय सीमा : 3 घंटा **तृतीय वर्ष : प्रथम प्रश्न पत्र** **पूर्णांक : 100**

तेरापंथ का इतिहास–70

प्र. 1 किन्हीं ग्यारह प्रश्नों के उत्तर एक या दो वाक्यों में दीजिए। 11

आचार्य श्री मघवागणी (किन्हीं चार के उत्तर दें)

(क) तेरापंथ में संस्कृत के प्रथम अध्येता और रचनाकार कौन-कौन हुए?

(ख) मुनि पन्नालाल जी के सारस्वत व्याकरण का कल्पनानुसार अर्थ करने पर मधवागणी ने उन्हें क्या उपालम्भ दिया?

(ग) मधवागणी की राजस्थानी भाषा की कृतियों में सबसे बड़ा ग्रन्थ कौन सा है? उसमें कितनी गीतिकाओं और दोहे निबद्ध है?

(घ) खिलेरिया गांव में कौन से सन्त का प्राणांत क्यों हुआ?

(ङ) जयाचार्य ने मुनि मघवा को चार बक्शीश कब और कहां दी?

(च) 'मेरे घर में जो विपत्ति आनी थी, वह आ चुकी उसके लिए सन्तों के आगमन पर होने वाले जन उत्साह को क्यों रोकूं।' यह कथन किसने किस प्रसंग के कारण कहे?

आचार्य श्री माणकगणी (किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दें)

(छ) आचार्य माणकगणी आचार्य पद पर विधिवत पदासीन कब व कहां हुए?

(ज) माणकगणी के पितामह मूलतः कहां के निवासी थे? तथा उनका गौत्र क्या था?

(झ) माणकगणी की नाड़ी देखकर किसने कहा–'लगता है अब ये मूर्च्छा नहीं टूटेगी?'

(ञ) माणकगणी दिवंगत हुए उस समय संघ में उनके द्वारा स्वदीक्षित साधु-साध्वियां कितने थे?

(ट) मधवागणी से उनके उत्तराधिकारी के विषय में किसने व कहां पूछा?

आचार्य श्री डालगणी (किन्हीं चार प्रश्नों का उत्तर दें)

(ठ) श्री डालगणी ने कौन से सन्तों के पास तत्वज्ञान व प्रतिक्रमण सीखा?

(ड) अग्रणी काल में मालव प्रदेश में डालमुनि ने कितने व कहां-कहां चातुर्मास किए?

(ढ) आचार्य डालगणी ने किसकी प्रार्थना को बहुमान देते हुए अपना प्रथम मर्यादा महोत्वस बीदासर में किया? तथा उस समय वहां कितने साधु-साध्वियां एकत्रित हुए?

(ण) श्रीचन्द जी गधैया ने जब गलत दवा के कारण पुत्र की हालत बिगड़ती देखी तो उन्होंने उस समय क्या अभिग्रह किया?

(त) तुम्हारे जैसे विष कुंभ पयोमुख व्यक्ति की संघ में कोई आवश्यकता नहीं है। डालगणी ने यह कथन किससे व कहां कहे?

(थ) डालमुनि ने मुनि आनंदराम जी को भाषा समिति के दोष के कारण क्या प्रायश्चित दिया?

आचार्य श्री मघवागणी–21

प्र. 2 किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दो या तीन वाक्यों में दीजिए। 5

(क) जयाचार्य द्वारा मुनि मघवा के लिए पण्डित शब्द के प्रयोग से पूर्व ही सन्तों द्वारा उन्हें यह उपाधि दे दी गई थी। इससे सम्बन्धित घटना या दोहा संक्षेप में लिखें।

(ख) युवाचार्य मघवा की प्रतिभा और योग्यता को देखकर वयोवृद्ध स्थानकवासी सन्त ने जयाचार्य को क्या सत्प्रेरणा दी?

(ग) मघवागणी ने आलोयणा के लिए क्या नियम बनाए तथा इससे कौन से दो कार्य सहज ही निष्पन्न हो गए?

प्र. 3 कोई एक प्रश्न का उत्तर 100 से 150 शब्दों में दीजिए। 6

(क) 'आगम बत्तीस या पैंतालीस' विषय पर टिप्पणी लिखें।

(ख) 'गणपति सिखावण' गीतिका की शिक्षाओं का वर्णन करें।

प्र. 4 आचार्य मघवा के विहार और जनोपकारी यात्राओं का वर्णन करें।

अथवा

मघवागणी के जीवन के अन्तिम वर्ष के प्रसंगों पर प्रकाश डालें।

प्र. 5 किन्हीं दो प्रश्नों का उत्तर दो या तीन वाक्यों में दीजिए। 5

(क) माणकगणी के जन्म व पारिवारिक जनों का संक्षेप में वर्णन करें।

(ख) किसी एक घटना से स्पष्ट करें कि मुनि माणकलाल जी के प्रति मघवागणी की कृपादृष्टि बहुत पहले से चली आ रही थी।

(ग) माणकगणी ने अपने स्वल्पकालीन शासन में थली के प्रायः सभी क्षेत्रों का विहरण किया। संक्षेप में स्पष्ट करें।

प्र. 6 धर्मप्रिय बाबा की छत्र-छाया में रहते हुए बालक माणक के हृदय में धर्म की अच्छी रूचि पैदा हो गई। पूर्व जन्म के संस्कार, मोहकर्म के क्षयोपशम व जयाचार्य की कृपादृष्टि व सूझबूझ से उन्होंने लक्ष्य को कैसे प्राप्त किया, स्पष्ट करें। 12

अथवा

तेरापंथ के नीतिपूर्ण और समयज्ञ साधु संघ ने आचार्य विहीन संघ का संचालन व भावी आचार्य का निर्वाचन कैसे किया? विवेचन करें।

आचार्य श्री डालगणी–21

प्र. 7 किन्हीं दो प्रश्नों का उत्तर दो या तीन वाक्यों में दीजिए। 5

(क) मुनि मगनलाल जी, मुनि कालूजी व महासती जेठांजी ने रूग्णावस्था में आचार्य डालगणी की क्या-क्या सेवाएं की? लिखें।

(ख) डालगणी ने अपने अग्रणी काल में अनेक उतार-चढ़ाव देखे। इस कथन को सिद्ध करें।

(ग) श्री डालमुनि की संवेगी मुनि क्षांतिविजय जी से किन-किन विषयों पर चर्चा हुई?

प्र. 8 कोई एक प्रश्न का उत्तर 100 से 150 शब्दों में दीजिए। 6

(क) एक घटना प्रसंग से स्पष्ट करें कि श्रावकों को धार्मिक सहायता और आत्मतोष देने को डालगणी सदैव प्राथमिकता देते थे।

(ख) वीरचन्द भाई द्वारा तेरापंथ की गुरु धारणा स्वीकार करने का क्या कारण था? विवेचन करें।

प्र. 9 जम्मड़ जी! मैं जानता हूं दूध का जला छाछ को भी फूंक-फूंक कर पीता है। तुम्हारी इस प्रार्थना के पीछे संघहित की भावना मुझसे छिपी नहीं है। संघ के प्रति अपने दायित्व के प्रति पूर्ण जागरूक हूं। जम्मड़ की प्रार्थना और डालगणी की जागरूकता ने भावी व्यवस्था को कैसे अंजाम दिया। वर्णन करें। 10

अथवा

सिद्ध करें कि डालगणी एक महान तेजस्वी आचार्य थे।

तुलसी प्रबोध–21

प्र. 10 कोई दो पद्यों को भावार्थ सहित लिखें। 13

(क) द्विताशताब्दी वाला पद्य लिखें।

(ख) दीक्षा-विरोध वाला पद्य लिखें।

(ग) आचार्य तुलसी की दीक्षा वाला पद्य।

(घ) आचार्य तुलसी की सत्यनिष्ठा वाला पद्य।

प्र. 11 कोई दो पद्यों की पूर्ति करें। 7

(क) विक्रम संवत.....अणधार हो।

(ख) तिरबार.....विस्मयकार हो।

(ग) इक्यासिय चुरू.....गणधार हो।

(घ) अधिवेशन.....प्रसार हो।

(ङ) आगम सम्पादन.....आधार हो।

तेरापंथ प्रबोध–9

प्र. 12 किन्हीं तीन पद्यों की पूर्ति करें।

(क) 'कर कंगण आंख्या स्यूं दीखै' कहावत वाला पद्य।

(ख) 'हे प्रभो यह तेरापंथ' गीत वाला पद्य।

(ग) 'मेरू सी ऊंचाई सागर सी गहराई' लोकोक्ति वाला पद्य।

(घ) 'अन्तिम मर्यादा पत्र' वाला पद्य।

(ङ) बंधु-त्रिपुटी वाला पद्य।